NEWS CLIPPING:24.09.2023

PUNJAB KESARI

हंसी, व्यंग्य और गुदगुदाती कॉमेडी से भरपूर 'द सुसाइड' का किया मंचन

फरीदाबाद, 23 सितम्बर (सूरजमल/ पूजा):. हंसी और व्यंग्य से भरपूर ब्लैक कॉमेडी पर आधारित बीसवीं सदी के लोकप्रिय रूसी नाटक 'द सुसाइड' के आधुनिक रूपांतरण को दिल्ली के मैड वन थिएटर द्वारा जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के विवेकानन्द सभागार में प्रस्तुत किया गया। नाटक का आयोजन विश्वविद्यालय के संचार और मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था।

हंसी, ठहाकों और गुदगुदाने वाली कॉमेडी से भरपूर इस नाटक के सभी किरदारों को मैड वन थिएटर की 15 सदस्यीय टीम ने बखूबी निभाया, जिसे विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित सभी दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। मूल रूप से 1928 में रूसी नाटककार निकोलाई एर्डमैन द्वारा लिखित सोशल कॉमेडी को भारतीय परिदृश्य के अनुसार अनुकूलित और प्रासंगिक बनाया गया है, जिसका निर्देशन सैफ अंसारी ने किया है। यह नाटक सैम (सैफ अंसारी द्वारा अभिनीत) नामक एक बेरोजगार युवा

नाटक द सुसाइड का मंचन करते कलाकार।

के जीवन पर केंद्रित है, जिसका मानना है कि उसकी सभी समस्याओं का हल टुबा बजाना सीखना है।

हालांकि, उसकी योजना विफल हो जाती है और वह आत्महत्या के बारे में सोचता है। तब उसका पड़ोसी एलेक्स उसकी आत्महत्या का फायदा उठाकर पैसा कमाने का फैसला करता है। नाटक नायक के माध्यम से बेरोजगारी की दुर्दशा को दर्शाता है जो आत्महत्या करके मरने के लिए बेताब है। साथ ही, वह देखता है कि कैसे समाज के विभिन्न समूह - बुद्धिजीवी वर्ग, राजनीतिक दल, धार्मिक नेता, नागरिक समाज और अन्य लोग अपने स्वयं स्वार्थ के लिये सैम के दुखों का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। इस प्रकार, नाटक की कहानी मानव स्वार्थ को व्यंग्य के साथ हास्यप्रद तरीके से सामने लाने का प्रयास करती है। सैम के किरदार को सैफ अंसारी और सैम की बीवी माशा के किरदार को पूजा कांजीलाल ने शानदार ढंग से निभाया है। एलेक्स की भूमिका में जितेंद्र हुडा, आरके के किरदार में हर्षवर्धन, सेराफिमा की भूमिका में सुरभि वर्मा, विक्टर बने मोहित कुमार और योगेश दत्त बने अमन सूद के किरदारों ने नाटक को जीवंत बनाये रखा।

NEWS CLIPPING:24.09.2023

DAINIK JAGRAN

`नाटक द सुसाइड` ने छात्रों को खूब हंसाया व गुदगुदाया

जेसी बोस विवि के सभागार मेंनाटक द सुसाइड का मंचन करते कलाकार ० सौ. विश्वविद्यालय

जासं., फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय के सभागार में मैथ वन थियेटर दिल्ली के कलाकारों ने हास्य और व्यंग्य से भरपूर 20वीं सदी के लोकप्रिय रूसी नाटक द सुसाइड के आधुनिक रूपांतरण की प्रस्तुति से छाप छोड़ी। नाटक का आयोजन विश्वविद्यालय के संचार और मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था।

हंसी, ठहाकों और गुदगुदाने वाली कामेडी से भरपूर नाटक के सभी किरदारों को मैड वन थियेटर की 15 सदस्यीय टीम ने बखूबी निभाया। यह नाटक सैम (सैफ अंसारी द्वारा अभिनीत) नामक एक बेरोजगार युवा के जीवन पर केंद्रित है, जो आत्महत्या करके मरना चाहता है। साथ ही, वह देखता है कि कैसे समाज के विभिन्न समूह, बुद्धिजीवी वर्ग, राजनीतिक दल, धार्मिक नेता, नागरिक समाज और अन्य लोग अपने स्वयं स्वार्थ के लिये सैम के दुखों का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

नाटक की कहानी मानव स्वार्थ को व्यंग्य के साथ हास्यप्रद तरीके से सामने लाने का प्रयास करती है। सैम के किरदार को सैफ अंसारी और सैम की बीवी माशा के किरदार को पूजा कांजीलाल ने शानदार ढंग से निभाया है। एलेक्स की भूमिका में जितेंद्र हुडा, आरके के किरदार में हर्षवर्धन, सेराफिमा की भूमिका में सुरभि वर्मा, विक्टर बने मोहित कुमार और योगेश दत्त बने अमन सूद के किरदारों ने नाटक को जीवंत बनाए रखा।

NEWS CLIPPING:24.09.2023

PIONEER

हंसी, व्यंग्य और गुदगुदाती कॉमेडी से भरपूर दा सुसाइड का मंचन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हंसी और व्यंग्य से भरपूर ब्लैक कॉमेडी पर आधारित बीसवीं सदी के लोकप्रिय रूसी नाटक दा सुसाइड के आधुनिक रूपांतरण को दिल्ली के मैड बन थिएटर द्वारा जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद के विवेकानंद सभागार में प्रस्तुत किया गया। नाटक का आयोजन विश्वविद्यालय के संचार और मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था।

हंसी, ठहाकों और गुदगुदाने वाली कॉमेडी से भरपूर इस नाटक के सभी किरदारों को मैड बन थिएटर की 15 सदस्यीय टीम ने बखूबी निभाया। जिसे विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित सभी दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। मूल रूप से 1928 में रूसी नाटककार निकोलाई एर्डमैन द्वारा लिखित सोशल कॉमेडी को भारतीय परिदृश्य के अनुसार अनुकूलित और प्रासंगिक बनाया गया है, जिसका निर्देशन सैफ अंसारी ने किया है।

यह नाटक सैम (सैफ अंसारी द्वारा अभिनीत) नामक एक बेरोजगार युवा के जीवन पर केंद्रित है, जिसका मानना है कि उसकी सभी समस्याओं का हल टुबा बजाना सीखना है। हालांकि, उसकी योजना विफल हो जाती है और वह आत्महत्या के बारे में सोचता है। तब उसका पड़ोसी एलेक्स उसकी आत्महत्या का फायदा उठाकर पैसा कमाने का फैसला करता है। नाटक नायक के माध्यम से बेरोजगारी की दुर्दशा को दर्शाता है, जो आत्महत्या करके मरने के लिए बेताब है। साथ ही, वह देखता है कि कैसे समाज के विभिन्न समूह- बुद्धिजीवी वर्ग, राजनीतिक दल, धार्मिक नेता, नागरिक समाज और अन्य लोग अपने स्वयं स्वार्थ के लिये सैम के दुखों का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। इस प्रकार, नाटक की कहानी मानव स्वार्थ को व्यंग्य के साथ हास्यप्रद तरीके से सामने लाने का प्रयास करती है। सैम के किरदार को सैफ अंसारी और सैम की बीवी माशा के किरदार को पूजा बांकीलाल ने शानदार ढंग से निभाया है। एलेक्स की भूमिका में जितेंद्र हुड्डा, आरके के किरदार में हर्षवर्धन, सेराफिमा की भूमिका में सुरभि वर्मा, विक्टर बने मोहित कुमार और योगेश दत्त बने अमन सूद के किरदारों ने नाटक को जीवंत बनाये रखा। सैफ अंसारी ने समय-समय पर नाटक में चित्रित मुद्दों की गंभीरता को कम करने के लिए संगीत का बेहतरीन उपयोग किया है। जब सैम का पड़ोसी एलेक्स (जितेंद्र हुड्डा) मंच पर आता है, तो कबीर सिंह (2019) फिल्म का थीम संगीत बजता है। नाटक में सभी कलाकार फाखिर महमूद के गाने पर दो मिनट तक प्रस्तुति देते हैं। नाटक ऐसे दर्शकों को प्रभावित करने में कामयाब है, जो कुछ ऐसा देखना चाहते हैं जो उन्हें हंसाए लेकिन, उन्हें दुनिया के गंभीर मुद्दों पर विचलित न करें। संगीत और कॉमेडी दर्शकों को नाटक में पूरी तरह बांधे रखने में कामयाब रहे। विश्वविद्यालय में नाटक के एक के बाद एक लगातार दो शो आयोजित हुए और सफल रहे। नाटक के दौरान सामाजिक कार्यकर्ता एवं लेखिका जयमाला तोमर भी उपस्थित रहीं और प्रस्तुति का आनंद लिया। मैड बन थिएटर की टीम ने इस आयोजन को सफल बनाने में विश्वविद्यालय, विशेष रूप से संचार और मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह का आभार व्यक्त किया।

NEWS CLIPPING:24.09.2023

DAINIK BHASKAR

'द सुसाइड' नाटक के मंचन को दर्शकों ने खूब सराहा

फरीदाबाद | हंसी और व्यंग्य से भरपूर ब्लैक कॉमेडी पर आधारित बीसवीं सदी के लोकप्रिय रूसी नाटक 'द सुसाइड' के आधुनिक रूपांतरण को दिल्ली के मैड वन थिएटर ने जेसी बोस विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया। हंसी, ठहाकों और गुदगुदाने वाली कॉमेडी से भरपूर इस नाटक के सभी किरदारों को मैड वन थिएटर की 15 सदस्यीय टीम ने बखूबी निभाया। किरदारों की प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा। मूलरूप से 1928 में रूसी नाटककार निकोलाई एर्डमैन द्वारा लिखित सोशल कॉमेडी को भारतीय परिदृश्य के अनुसार अनुकूलित और प्रासंगिक बनाया गया है, जिसका निर्देशन सैफ अंसारी ने किया है।

NEWS CLIPPING:24.09.2023

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि में 'द सुसाइड' नाटक का मंचन

संवाद न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद। हंसी और व्यंग्य से भरपूर ब्लैक कॉमेडी पर आधारित रूसी नाटक द सुसाइड को दिल्ली के मैड वन थिएटर की ओर से शनिवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया गया।

आयोजन विश्वविद्यालय के संचार और मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से हुआ था। नाटक के सभी किरदारों को मैड वन थिएटर की 15 सदस्यीय टीम ने मंचन किया। जिसे विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित सभी दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। मालूम हो कि मूल रूप से 1928 में रूसी नाटककार निकोलाई एर्डमैन की ओर से लिखित सोशल कॉमेडी को भारतीय परिदृश्य के अनुसार अनुकूलित और प्रासंगिक बनाया गया है, जिसका निर्देशन सैफ अंसारी ने किया है।

यह नाटक एक बेरोजगार युवा के जीवन पर केंद्रित है, जिसका मानना है कि उसकी सभी समस्याओं का समाधान एक वाध्ययंत्र बजाना सीखना है। उसकी योजना विफल हो जाती है और वह आत्महत्या के बारे में सोचता है। उसका पड़ोसी उसकी आत्महत्या का फायदा उठाकर पैसा कमाने का फैसला करता है। नाटक में जितेंद्र हुड़ा, हर्षवर्धन, सुरभि वर्मा, मोहित कुमार और अमन सूद ने अहम भूमिका निभाई।

NEWS CLIPPING:24.09.2023

HINDUSTAN

रूसी नाटक 'द सुसाइड' का मंचन

फरीदाबाद। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विवेकानन्द सभागार में रूसी नाटक द सुसाइड प्रस्तुत किया गया। नाटक का आयोजन विश्वविद्यालय के संचार और मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किया गया था।

सभी किरदारों को मैड वन थिएटर की 15 सदस्यीय टीम ने बखूबी निभाया, जिसे विश्वविद्यालय के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों सहित सभी दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। मूल रूप से 1928 में रूसी नाटककार निकोलाई एर्डमैन द्वारा लिखित सोशल कॉमेडी को भारतीय परिदृश्य के अनुसार अनुकूलित और प्रासंगिक बनाया गया है।